भजन

तर्ज–हमें तो लूट लिया

परख लो वाणी से मोमिन हैं या मुनाफक है
डूबे हैं माया में या धनी के आशिक हैं

1– मोमिन का दावा लिया काफिरों और मुनाफिको ने
कसौटी दिखलाती है कस परखा है सराफों ने
अर्स के मोमिन ही धनी के मुआफक हैं

2– नाम कुरबानी का सुन उलसत हैं मोमिन के अंग
किया मुरदार दुनी को चढ़ा है अर्श का रंग
अपने धनी पे फिदा हैं जो उनके आशिक हैं

3– हद के जीवड़े क्या समझेंगे बेहद की बातें
सूरज निकला है अन्धों के लिए काली रातें
रूह की नजर से माशूक नजर आते हैं